ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं बेफिक्र बादशाह हूँ..

सुखी रहने के उपाय

शांत रहो, मनन करो
हँसते रहो, हँसाते रहो
कम खाओ, गम खाओ
चिंता नहीं, चिंतन करो
किसी की बुराई मत करो
सुबह एक घण्टा मौन रखो
क्षमा मांग लो, क्षमा कर दो
न्यूनतम आवश्यकताएं रखो
सबको क्रियात्मक सहयोग दो
हमेशा सकारात्मक सोच रखो
सबके प्रति हित का भाव रखो
कमाई का कुछ हिस्सा दान करो
परिस्थितियों से तालमेल बिठाओ
अधिकार भूलो, कर्त्तव्य याद रखो
सेवा करो, बदले में कुछ मत चाहो
सुबह एक घण्टा खुली हवा में घूमो
धैर्य, संयम एवं सहनशीलता अपनाओ
कम, धीरे व प्रेम से बोलो, ज्यादा सुनो
एक घण्टा अच्छा साहित्य पढ़ो या सुनो
सुबह जल्दी उठो, रात को जल्दी सोओ
किसी के प्रति ईर्ष्या व द्वेष की भावना मत रखो
किसी पर गुस्सा मत करो, अपने ऊपर भी नहीं
किसी को दु:ख मत दो, किसी का अपमान मत करो
प्रतिदिन सत्य ज्ञान सुनकर, राजयोग का अभ्यास करो।

Brahma Kumaris World HQs: Mount Abu - 307 501, India
Website: www.brahmakumaris.com / bkwsu.org

छोटी-छोटी साधारण बातों में
मन और बुद्धि को बिजी नहीं करो
एकान्त और एकाग्रता पर
विशेष अटेन्शन दो
बिजी होते भी बीच-बीच में
एक घड़ी, दो घड़ी निकाल
एकान्त का अनुभव करो
बाहर की परिस्थिति
भल हलचल की हो
लेकिन मन-बुद्धि को
जिस समय चाहो
एक के अन्त में
सेकण्ड में एकाग्र कर लो

ज्योतिर्बिन्दु
परमपिता शिव परमात्मा

Om Shanti

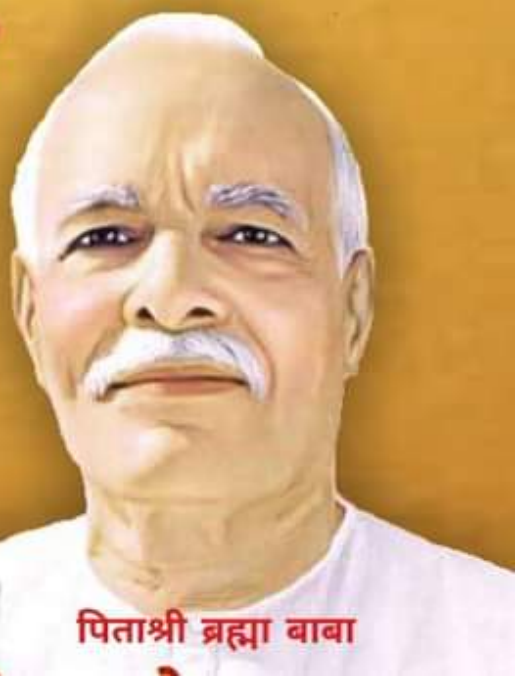

पिताश्री ब्रह्मा बाबा

Join Brahma Kumaris

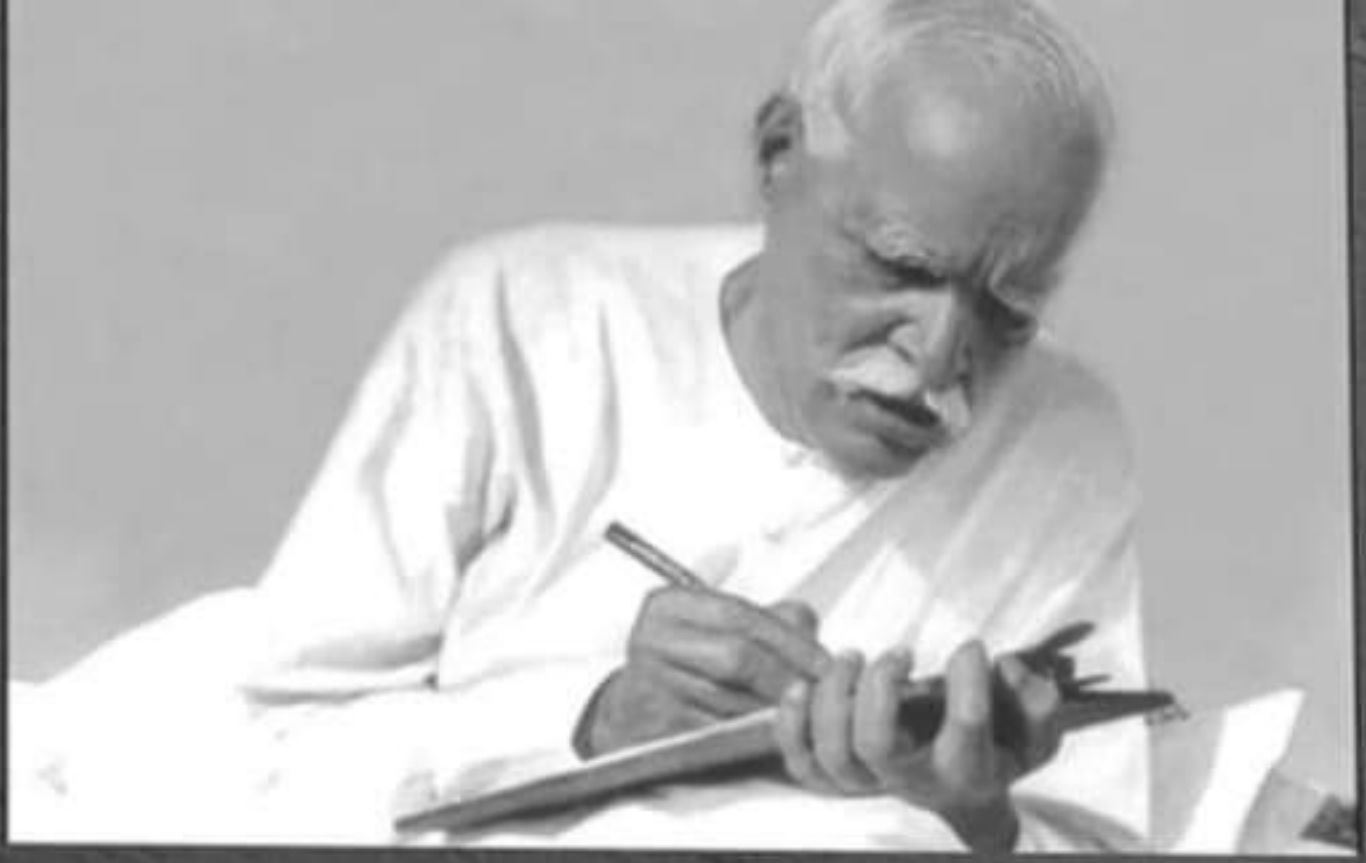

किसी भी कारण से मुरली मिस नहीं करनी है। जैसे खाना नहीं मिस करते हो तो यह भी भोजन है ना। वह शरीर का भोजन यह आत्मा का भोजन। ब्राह्मण माना मुरली सुनने वाला सेवा करने वाला।

Avyakt Murli 2.2.2011

'परमात्मा आपकी बातों को तब भी समझता है ! जब आपके पास कोई शब्द नहीं होते!
क्योंकि परमात्मा एहसास है!
वह प्रेम और भावना को समझता है!

GOD IS LIGHT

#shivshakti

SAMARPAN

जब तक संगम की जीवन में जीना है तब तक मन-वचन-कर्म में पवित्र बनना ही है। न सिर्फ बनना है लेकिन बनाना भी है। तो देखो भक्तों की बुद्धि भी कम नहीं है, यादगार की कॉपी बहुत अच्छी की है। आप सभी सब व्यर्थ समर्पण कर समर्थ बने हो अर्थात् अपने अपवित्र जीवन को समर्पण किया, आपकी समर्पणता का यादगार वह बलि चढ़ाते हैं लेकिन स्वयं को बलि नहीं चढ़ाते, बकरे को बलि चढ़ा देते हैं। देखो कितनी अच्छी कॉपी की है, बकरे को क्यों बलि चढ़ाते हैं? इसकी भी कॉपी बहुत सुन्दर की है, बकरा क्या करता है? में-में-में करता है ना! और आपने क्या समर्पण किया? मैं, मैं, मैं। देह-भान का मैं-पन, क्योंकि इस मैं-पन में ही देह-अभिमान आता है। जो देह-अभिमान सभी विकारों का बीज है।

बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि सर्व समार्पित होने में यह देह भान का मैं-पन ही रूकावट डालता है। कॉमन मैं-पन, मैं देह हूँ, वा देह के सम्बन्ध का मैं-पन, देह के पदार्थों का समर्पण यह तो सहज है। यह तो कर लिया है ना? कि नहीं, यह भी नहीं हुआ है! जितना आगे बढ़ते हैं उतना मैं-पन भी अति सूक्ष्म महीन होता जाता है। यह मोटा मैं-पन तो खत्म होना सहज है। लेकिन महीन मैं-पन है - जो परमात्म जन्म सिद्ध अधिकार द्वारा विशेषतायें प्राप्त होती हैं, बुद्धि का वरदान, ज्ञान स्वरूप बनने का वरदान, सेवा का वरदान वा विशेषतायें, या प्रभु देन कहो, उसका अगर मैं-पन आता तो इसको कहा जाता है महीन मैं-पन। मैं जो करता, मैं जो कहता वही ठीक है, वही होना चाहिए, यह रॉयल मैं-पन उड़ती कला में जाने के लिए बोझ बन जाता है। तो बाप कहते इस मैं-पन का भी समर्पण, प्रभु देन में मैं-पन नहीं होता, न मैं न मेरा। प्रभु देन, प्रभु वरदान, प्रभु विशेषता है। तो आप सबकी समर्पणता कितनी महीन है। तो चेक किया है? साधारण मैं-पन वा रॉयल मैं-पन दोनों का समर्पण किया है? किया है या कर रहे हैं? करना तो पड़ेगा ही। आप लोग आपस में हंसी में कहते हो ना, मरना तो पड़ेगा ही। लेकिन यह मरना भगवान की गोदी में जीना है। यह मरना, मरना नहीं है। 21 जन्म देव आत्माओं के गोदी में जन्मना है। इसीलिए खुशी-खुशी से समार्पित होते हो ना! चिल्ला के तो नहीं होते? नहीं। भक्ति में भी चिल्लाया हुआ बलि स्वीकार नहीं होती है। तो जो खुशी से समार्पित होते हैं, हद के मैं और मेरे में, वह जन्म-जन्म वर्से के अधिकारी बन जाते हैं।--17-02-2004

Vidhi Se Siddhi

सहयोगियों को यज्ञ स्नेही बनाने की विधि

बापदादा- 05-03-2012

बापदादा ने समय के प्रमाण आज यह भी कहा कि सहयोगी है लेकिन अब यज्ञ स्नेही बनाओ। वारिस क्वालिटी बनाओ। जो भी सहयोगी हैं उन्हों को अपने ज़ोन में, बापदादा ने पहले भी कहा है लिस्ट तो आई है अच्छा है, लेकिन हर एक ज़ोन एक-एक वर्ग को अपने भिन्न-भिन्न स्थान के सहयोगी या स्नेही आत्माओं को इकट्ठा करो। तीन दिन का उनको सम्पर्क में लाओ, रहें भी, मीटिंग करें और आगे के प्रोग्राम बनायें। तो हर ज़ोन जहाँ भी उनके हैं, सभी ज़ोन से कोई बड़े स्थान पर जहाँ भी ज़ोन में हो, सहयोगियों को इकट्ठा करके उनकी मीटिंग करो आरै उन्हों को विशेष एक बल भरो आगे बढ़ने का। जो अब तक किया उसकी मुबारक़ दो और आगे बढ़ने का प्लैन बनाके दो, क्योंकि उन्हों को भी आगे बढ़ने की विधि सुनानी पड़ेगी। तो सभी ज़ोन मिलके एक-एक वर्ग का जहाँ विशेष स्थान है वहाँ इकट्ठा करो। फिर देखेंगे उस संगठन में कितने आते हैं, क्या आगे चाहते हैं? ऐसे सम्पर्क में लायेंगे तो वारिस बन जायेंगे।

ओम् शान्ति

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org